

सीसैट रणनीति

- जब से प्रारंभिक परीक्षा में सीसैट के प्रश्नपत्र को क्वालफाइंग किया गया है, बहुत से उम्मीदवारों ने सीसैट की पढ़ाई लगभग बंद ही कर दी है और अपनी सारी ऊर्जा सामान्य अध्ययन की तैयारी में झोंक दी है। तैयारी की इस पद्धति को भी सही नहीं कहा जा सकता है। याद रहे कि सीसैट को क्वालफाइंग बनाया गया है, परीक्षा से हटाया नहीं गया है। सीसैट के प्रश्नपत्र में क्वालीफाई करने के लिये न्यूनतम 33% अंक लाना भी बलिकूल आसान नहीं होता। हाँ, पहले की अपेक्षा इसकी चुनौतियाँ कम अवश्य हुई हैं, परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि इसे पूरी तरह नज़रअंदाज़ कर दिया जाए।
- सीसैट की तैयारी के लिये सभी उम्मीदवारों की एप्रोच एक-सी नहीं हो सकती। कुछ उम्मीदवार जनिकी पृष्ठभूमि गणति एवं वजिज़ान वषियों की है, उनके लिये दो घंटे में गणति एवं रीज़नगि खंड को मलिकर 27 प्रश्न हल कर लेना कोई कठनि कार्य नहीं है, जबकि भानवकिी पृष्ठभूमि के वदियार्थियों के लिये तो कई बार यह आँकड़ा पार करना भी कठनि हो जाता है।
- गौरतलब है कि सीसैट प्रश्नपत्र में कुल 80 प्रश्न पूछे जाते हैं, जनिमें प्रत्येक प्रश्न 2.5 अंकों का होता है। इस तरह, सीसैट में क्वालफाइ करने के लिये नरिधारति 33% अंक लाने के लिये आपको 200 अंकों में से 66 अंक लाने अनविर्य है। ध्यान रहे कि प्रारंभिक परीक्षा में नगिटवि मार्कगि लागू है।
- यह बात भी सही है कि इस आँकड़े को पार करने के लिये सभी परीक्षार्थियों की रणनीति एकसमान नहीं हो सकती है। कसिी की गणति एवं रीज़नगि पर अचछी पकड़ होती है तो कोई कॉम्प्रहेंशन हल करने में ही सहज महसूस करता है। वगित 6 वर्षों में वभिन्नि खंडों से पूछे गए प्रश्नों का वशिलेषण कर यह नषिकर्ष नकाला जा सकता है कि अब सीसैट में कनि खंडों पर ध्यान देना अधिक उचति रहेगा और कनिहें छोड़ने पर भी वशिष नुकसान नहीं है।
- द्वतीय प्रश्नपत्र 'सीसैट' में मुखयतः बोधगमयता (comprehension), संचार कौशल सहति अंतरवैयकतिक कौशल (Interpersonal skills including communication skills), तार्ककि कौशल एवं वशिलेषणात्मक कषमता (Logical reasoning and analytical ability), नरिणयन और समस्य समाधान (Decision-marking and problem-solving), सामान्य मानसकि योग्यता (General mental ability), आधारभूत संख्ययन (Basic numeracy) एवं आँकड़ों का नरिवचन (Data interpretation) (हाईस्कूल स्तर) से संबंधति प्रश्न पूछे जाते हैं।
- वर्ष 2014 में अंगरेज़ी बोधगमयता को सीसैट के पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है।
- इस प्रश्नपत्र की उचति रणनीति बनाने के लिये वगित 6 वर्षों में प्रारंभिक परीक्षा में इसके वभिन्नि शीर्षकों से पूछे गए प्रश्नों का सूक्ष्म अवलोकन आवश्यक है, जनिका वसितृत वविरण इस तालकि के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

पाठ्यक्रम का खंड	2016	2015	2014	2013	2012	2011	औसत
बोधगमयता (द्वभाषिक)	27	30	26	24	32	27	28
अंगरेज़ी बोधगमयता*	-	-	6#	8	8	9	8
आधारभूत संख्ययन/गणति	28	20	16	9	3	13	14
आँकड़ों की व्याख्या/पर्याप्तता	0	0	5	5	0	6	3
तरकशकत्त/वशिलेषणात्मक योग्यता	25	30	27	28	30	17	26
नरिणयन, अंतरवैयकतिक कौशल	0	0	0	6	7	8	3
कुल	80	80	80	80	80	80	80

* वर्ष 2014 में अंगरेज़ी बोधगमयता को सीसैट के पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है।

2014 में अंगरेज़ी बोधगमयता से संबंधति प्रश्नों की गणना नहीं की गई थी, अर्थात कट-ऑफ अंकों के लिये केवल 74 प्रश्नों का ही मूल्यांकन किया गया था।

बोधगमयता से संबंधति प्रश्न

- सीसैट के वभिन्नि खंडों में सामान्यतः सर्वाधिक प्रश्न 'बोधगमयता' से पूछे जाते रहे हैं। द्वभाषिक बोधगमयता से पूछे जाने वाले प्रश्नों को अगर देखें तो प्रतविरष औसतन 28 प्रश्न इस खंड से पूछे गए हैं।
- धयातवय है कि 2014 से पहले लगभग 8-9 प्रश्न अंगरेज़ी बोधगमयता से भी पूछे जाते थे, परंतु संघ लोक सेवा आयोग के नरिदेशानुसार 2014 से इसके प्रश्नों को समाप्त कर दिया गया है, इसलिये अब अंगरेज़ी बोधगमयता के प्रश्न नहीं पूछे जाते।
- आमतौर पर लगभग 200-300 शब्दों वाले अनुच्छेदों से 3-4 प्रश्न पूछे जाते हैं। साथ ही, दो घंटे की परीक्षा-अवधि में उम्मीदवार को अन्य खंडों के प्रश्नों के साथ-साथ 8-10 अनुच्छेद भी पढ़ने होते हैं, जो एक जटलि और थकाऊ कार्य है।
- इसके अलावा, इन अनुच्छेदों का मूल पाठ अंगरेज़ी में और उनका अनुवाद हदि में होता है जिससे हदि माध्यम के वदियार्थियों को अनुवाद संबंधी समस्याएँ भी झेलनी पड़ती हैं।

- वर्ष 2015 एवं 2016 के प्रश्नपत्र में एक प्रवृत्त यह भी देखी गई कि सामान्यतः 100-150 शब्दों वाले अनुच्छेदों से केवल एक-एक प्रश्न पूछा गया तथा 200-300 शब्दों वाले अनुच्छेद से 3-4 प्रश्न।
- ध्यान रहे कि 2015 व 2016 में सीसैट प्रश्नपत्र में केवल 1 प्रश्न वाले अनुच्छेद बहुलता में शामिल किये गए थे। 2016 के बोधगम्यता खण्ड की जटिलता का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पुरे प्रश्नपत्र में 27 प्रश्नों को हल करने के लिये कुल 17 अनुच्छेद दिये गए थे। इस तरह यह खंड काफी समय लेने वाला तथा उबाऊ भी रहा।
- सामान्यतः जनि वदियार्थियों की गणति एवं रीज़नगि पर अच्छी पकड़ हो, वे इस खंड पर कम ध्यान देकर भी अपना काम चला सकते हैं। लेकिन इसी को स्थायी रणनीति बनाकर नहीं चलना चाहिये। बेहतर यह होगा कि अगर आपके पास समय है तो सभी खंडों पर समान ज़ोर देते हुए सभी का अभ्यास करना चाहिये।

नोट: वगित वर्षों में इस खंड से पूछे गए प्रश्नों के लिये इस [link](#) पर क्लिक करें।

तरकशकृति एवं वशिलेषणात्मक योग्यता संबंधति प्रश्न

- तरकशकृति एवं वशिलेषणात्मक योग्यता का महत्त्व सीसैट के प्रश्नपत्र में दूसरे सोपान पर आता है। इस खंड से प्रतविरष औसतन 26 प्रश्न पूछे जाते रहे हैं।
- गौरतलब है कि इस खण्ड के प्रश्न प्रायः फॉर्मूला आधारति न होकर थोड़े घुमावदार होते हैं और उम्मीदवार से तीव्र दमिगी प्रतकिरिया की अपेक्षा रखते हैं।
- आमतौर पर भाषकि तरकशकृति (Verbal Reasoning) एवं वशिलेषणात्मक तरकशकृति (Analytical Reasoning) से ज़्यादा प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें भी कुछ वशिष अध्यायों से अधिक प्रश्न पूछे जाते रहे हैं, उन पर वशिष रूप से ध्यान देने की ज़रूरत है। उदाहरणस्वरूप- दशिष संबंधी परीकषण, शरूखला, रकत-संबंध, गणतीय संकरियाएँ, न्याय नगिमन, कथन- नषिकरष, पूर्वधारणाएँ आदि। देखा जाए तो गैर-भाषकि तरकशकृति (Non-Verbal Reasoning) से अधिक प्रश्न पूछे जाने की प्रवृत्ति नहीं है। इस खंड से पूछे गए प्रश्नों में भी अधिकांश वशिलेषण पर ही आधारति होते हैं।

गणति एवं सामान्य मानसकि योग्यता से संबंधति प्रश्न

- गणति खंड में सामान्यतः 10वीं कक्षा के स्तर तक के प्रश्न पूछे जाते हैं। इनमें भी ज़्यादातर प्रश्न आधारभूत अंकगणति से पूछे जाते हैं। साथ ही, आँकड़ों के नरिवचन (चार्ट, ग्राफ, तालिका आदि) से भी ठीक-ठाक संख्या में प्रश्न पूछे जाते हैं।
- इस तरह देखें तो अंकगणति की आधारभूत संकल्पनाओं एवं आँकड़ों के नरिवचन का अभ्यास कर इस खंड में अच्छी पकड़ बनाई जा सकती है।
- गणति में भी कुछ अध्यायों से प्रायः ज़्यादा सवाल पूछे जाने की प्रवृत्ति रही है। उदाहरण के लिये- प्रतशितता (लाभ और हानि, साधारण ब्याज एवं चक्रवृद्धि ब्याज, अनुपात आदि इसी के अंतर्गत आ जाते हैं), समय और कार्य, समय और दूरी, प्रायकिता (Probability) आदि अध्यायों पर वशिष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है।
- नश्चिति तौर पर यह नहीं बताया जा सकता कि इस खंड से कतिने प्रश्न पूछे जाएंगे, लेकिन इतना ज़रूर है कि प्रश्न ऐसे पूछे जाते हैं जो सरिफ फॉर्मूले पर आधारति होने की बजाय मानसकि सावधानी की अपेक्षा रखते हों।
- इसकी तैयारी के लिये बाज़ार में उपलब्ध किसी स्तरीय पुस्तक जैसे- संख्यात्मक अभियोग्यता- आर.एस. अग्रवाल एवं परफेक्ट वर्बल एवं नॉन वर्बल रीज़नगि से प्रश्नोत्तर अभ्यास करने के साथ-साथ दृष्टिसंस्थान के परैकटसि सेटों को हल करना उचित रहेगा।
- प्रारंभकि परीकषा में गलत उत्तर के लिये ऋणात्मक अंक (Negative marking) का प्रावधान होने के कारण अभ्यर्थियों से अपेक्षा है कि तुक्का पद्धति से बचते हुए सावधानीपूर्वक प्रश्नों को हल करें।

नोट: वगित वर्षों में इस खंड से पूछे गए प्रश्नों के लिये इस [link](#) पर क्लिक करें।

'नरिणयन' तथा 'अंतरवैयकृति कौशल' से संबंधति प्रश्न

- इन खंडों से कुल मलिाकर 6-8 प्रश्नों पूछे जाने की संभावना रहती है। खास बात यह है कि इन प्रश्नों में ऋणात्मक अंक (Negative marking) की व्यवस्था लागू नहीं होती अर्थात् चारों विकल्पों में से कोई गलत विकल्प चुनने पर भी उम्मीदवार के अंक काटे नहीं जाते।
- वस्तुतः इस खंड से संबंधति प्रश्नों में 'भेदात्मक अंकन' (Differential Marking) की व्यवस्था लागू है। इसका अर्थ है कि इनमें एक ही उत्तर को ठीक मानने की बाध्यता नहीं होती, बल्कि प्रश्न में दिये गए सभी विकल्पों के लिये अंकों का वतिरण होता है यानी किसी प्रश्न के लिये नरिधारति 2.5 अंकों को प्रश्न के वभिन्न विकल्पों के लिये वरीयता क्रम में आवंटति कर दिया जाता है।
- ऋणात्मक अंक न होने तथा 'भेदात्मक अंकन' (Differential Marking) होने के कारण परीकषा में इस खंड के प्रश्नों को बलिकुल नहीं छोड़ना चाहिये। खुद को प्रशासनकि अधिकारी समझते हुए सामान्य बुद्धि (Common Sense) से इनका उत्तर दिया जाए तो इनके ठीक हो जाने की संभावना बनती है, पर बेहतर है कि ऐसे प्रश्नों का समुचित अभ्यास भी कर लिया जाए।
- अगर संभव हो तो किसी स्तरीय कोचगि संस्थान की मॉक टेस्ट टेस्ट सीरीज़ में सम्मलिति हो सकते हैं। 'दृष्टि' की मॉक टेस्ट सीरीज़ सविलि सेवा अभ्यर्थियों के बीच काफी लोकप्रिय है। आप इस कार्यक्रम में शामिल होकर इसका लाभ उठा सकते हैं।
- प्रारंभकि परीकषा तथिसे पूर्व परैकटसि पेपर्स एवं वगित वर्षों में प्रारंभकि परीकषा में पूछे गए प्रश्नों को नरिधारति समय सीमा (सामान्यतः दो घंटे) के अंदर हल करने का अभ्यास करना लाभदायक रहता है।

नोट: वगित वर्षों में 'नरिणयन' से पूछे गए प्रश्नों के लिये इस [link](#) पर क्लिक करें।

वगित वर्षों में 'अंतरवैयकृति कौशल' से पूछे गए प्रश्नों के लिये इस [link](#) पर क्लिक करें।

